out Mr. Raj Kumar wrote a letter to the General Manager stating that if his case was not rectified he would pour kerosene and burn himself. He also wrote letters to the Collector and the SP. But, nobody looked into this case. Madam, on the 12th of April, at five o'clock, he poured kerosene and burnt himself. Now, he is lying in the hospital. Madam, this is not the only case. There are many factories and mills where temporary workers are employed. The managements are extracting money from these workers to make them permanent workers. This racket is going on in this country. I know there are another 12 persons who are temporary workers. They have given notice to the authorities stating that if their grievances are not redressed, they would take the same action which Mr. Raj Kumar has taken

Madam, through you, I request the concerned Minister to look into this matter and see that this person gets justice. Thank you.

श्री दिग्विजय सिंह (बिहार) : मैडम, अब मेरा नाम है ।

उपसभापति : आपका नाम है, नम्बर आएगा तो पुकारूंगी ।

श्री दिग्विजय सिंह : मैडम, मेरा चार नम्बर पर है ।

उपसभापति : 8वें नम्बर पर हैं आपका नाम ।

श्री दिग्विजय सिंह : हमें जो दिया है, चौथा नम्बर दिया है ।

उपसभापति : किसने दिया है ?

श्री दिग्विजय सिंह : श्री सोहोनी ने दिया है ।

उपसभापति : जो लिस्ट मेरी टेबल पर आई है

I will go by that list.

Mafia Raj in Rajasthan

श्री संजय डालमिया : (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, जिस राजस्थान में महाराणा प्रताप और रानी पद्मिनी का जन्म हुआ था, जिस राजस्थान से आज के अधिकांश जो घराने पैदा हुए, उसी राजस्थान में आज माफिया राज चल रहा है । मैं आपको एक घटना ..... (व्यवधान) ....

श्री प्रमोद महाजन (महाराष्ट्र) : पद्मिनी से क्या संबंध हैं ?

श्री संजय डालमिया: पद्मिनी से संबंध आपको नहीं समझ आएगा । उस राजस्थान की भूमि में, जहां महाराणा प्रताप और पद्मिनी और अधिकांश घराने निकले, आज उसी वीर-भूमि राजस्थान में माफिया राज चल रहा है और मैं उसी के बारे में बताना चाहता हूं । ... (व्यवधान) ...

श्री अन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): आप भूल रहे हैं ... (व्यवधान) ... क्या कह रहे हैं ? ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया: मैं आपसे नहीं पूछ रहा हूं ।

एक माननीय सदस्य : यह भामाशाह के प्रदेश की बात कर रहे हैं । .. (व्यवधान) ..

उपसभापति : आप लोग बैठिए । उनको परमिशन मिली है, उनको बोलने दीजिए । बोलिए । ... (व्यवधान) ...

श्री संजय डालमिया : आप सुन लीजिए, उसके बाद बात कहिए । ... (व्यवधान) ...

श्री रामदास अग्रवाल : * (व्यवधान) ...

उपसभापति : अग्रवाल जी, उनको परमिशन मिली है, उनको बोलने दीजिए ।

*Expunged as ordered by the Chair.

This is not the way. (*Interruptions*). He has the right to speak. He has been permitted to speak.

श्री संजय डालमिया : आप बीच में विघ्न क्यों डालते हैं ? आपको सुनने में शर्म है क्या ? . . . (**व्यवधान**) . . .

एक माननीय सदस्य : जहा पर* उनकी बात कर रहे हैं । . . (**व्यवधान**) . . .

श्री संजय डालमिया : मैं खाली बतलाना चाहता हूं कि क्या हो रहा है । . . . (**व्यवधान**) . . . वहां पर माफिया राज है, हम उसके बारे में लोगों को बतलाना चाहते हैं । . . . (**व्यवधान**) . . . आप बैठकर सुनिए, आपको सुनना पड़ेगा । . . . (**व्यवधान**) आपको सुनना पड़ेगा, मैं बोलूंगा । आपको सुनना पड़ेगा . . . (**व्यवधान**) मैडम, आज राजस्थान में माफिया राज चल रहा है । मैं यह बतलाना चाहता हूं कि वहां पर जो एक मंत्री हैं, उनका माफिया से संबंध है । अभी कुछ दिन पहले अखबार में निकला था . . . (**व्यवधान**) पुलिस ने जिस व्यक्ति को पकड़ना चाहा तो सरकार ने उनको संरक्षण दिया . . . (**व्यवधान**) और जब . . . (**व्यवधान**)

उपसभापति : . . . . (**व्यवधान**) आप क्या कह रहे हैं । . . . (**व्यवधान**) बैठिए, बैठिए, न । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री संजय डालमिया : यह एक हफ्ते में पहली घटना नहीं है । मैडम, इस तरह की घटनाएं रोज हो रही हैं वहां पर । मैं आपको बतला सकता हूं । . . . (**व्यवधान**) . .

उपसभापति : एक मिनट बैठ जाइए . . (**व्यवधान**) एक मिनट चुप रहिए । . . . (**व्यवधान**)

श्री राज बब्बर : आपको नहीं पता, वहां माफिया पगड़ी बांधकर घूमते हैं ।

*Expunged as ordered by the Chair.

उपसभापति : नथिंग इज गोइंग आन रिकार्ड । . . . (**व्यवधान**) यह जरूरी नहीं है कि जो वह बोल रहे हैं वह आपको पसन्द आए । . . . (**व्यवधान**) एक मिनट आप बात सुनिए । आप जो बोलते हैं वह उन्हें भी पसन्द नहीं आएगा । मगर इसका मतलब यह तो नहीं है कि आप किसी को बोलने नहीं दें । अगर उन्होंने कोई गलत बात कही . . . (**व्यवधान**) चुप रहिए, बैठिए चुपचाप । (**व्यवधान**)

श्री संजय डालमिया : जब पुलिस वाले ने पकड़ा तो उसको सरकार ने संरक्षण दिया . . . . (**व्यवधान**) उस पुलिस वाले को हटा दिया गया । यह कोई पहली घटना नहीं है । वहां पर रोज इस तरह के कारनामे हो रहे हैं । तो मैडम, मैं आपके मार्फत भारत सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि ऐसी *राज्य सरकार को वहां पर कैसे चलने दिया जा रहा है । अगर इस तरह का वहां रोज होगा तो वहां पर लोगों का रहना मुश्किल हो जाएगा । इसलिए आपके माध्यम से मैं भारत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि उस * सरकार को तुरन्त बर्खास्त किया जाए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया ।

उपसभापति: मैंने अभी आपको एलाउ नहीं किया । . . . (**व्यवधान**) बैठिए, आपको भी एलाउ नहीं किया । कटारिया जी ।

श्री वीरेन्द्र कटारिया : मैडम वाईस चेयरमैन साहिब । . . . (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN. Just a minute. . . (*Interruptions*) Please keep quiet. . . (*Interruptions*).

SHRI RAMDAS AGARWAL:*

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:*

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:*

*Expunged as ordered by the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record... (*Interruptions*) None of it is going on record till the order is restored... (*Interruptions*) Nothing which is unparliamentary, which he should not say. . (*Interruptions*). I will look at the record and I will remove it...(*Interruptions*) Mr. Virendra Kataria... (*Interruptions*). Mr. Dave, please sit down... (*Interruptions*).

SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:*

SH RI SANJAY DALMIA:*

SHRI RAMDAS AGARWAL:*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nothing is going on record and it should not be reported in the Press...(*Interruptions*). Nothing is going on r ecord without my permission. If I identify a Member because the permission is granted, he has a right to seak...(*Interruptions*). If he has spoken anything which is unparliamentary, I will go through the record and check it. But this is not the way that you just get up and start accusing each other. I am not going to permit it... (*Interruptions*). I cannot tolerate nonsense at all...(*Interruptions*) Mr. Dalmia, I am warning you. Please don't get up without my permission and I am giving this warning to everybody. Now, Shri Virendra Kataria.

Cross neglect of ancsstral house of the first President, Dr. Rajendra Prasad and need to protect and maintain as a National Monument.

श्री वीरेन्द्र कटारिया (पंजाब) : महोदया, मैं आपके माध्यम से हाऊस का ध्यान एक बहुत ही अफसोसजनक बात की तरफ दिलाना चाहता हूं । डा० राजेन्द्र प्रसाद, जिनको देश प्यार से राजन बाबू कहता है, जो हमारे देश के पहले राष्ट्रपति थे, उनका जो जाती मकान है गांव-जिरदी, जिला सेवन में, उनके मकान को भारत सरकार ने एक नेशनल स्मारक घोषित किया हुआ है लेकिन उसके बावजूद आज उस मकान की यह हालत है कि उसकी खिड़कियां टूटी हुई हैं और उस घर में गंदगी है और हर किस्म की गलत बातें वहां हो रही हैं ।

महोदया, जो हमारे नेशनल मौन्यूमेंटस हैं, वे कौम का एक भारी शानदार पास का आसासा है और उसके साथ-साथ आने वाली जनरेशन के लिये वह प्रेरणा का स्रोत भी है लेकिन आज वह शख्स जो हमारा पहला राष्ट्रपति था, जिसके मकान को गवर्नमेंट आफ इंडिया ने नेशनल मौन्यमेंट डिक्लेयर किया दिसम्बर, 1992 में, आज उस मकान की ऐसी खस्ता हालत है कि जिसको लफ्जों में बयान नहीं किया जा सकता है ।

वह कमरा जहां पर कभी महात्मा गांधी रहे, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस रहे और आजादी की जंग के अनेकों जांबाज सिपहसालार रहे आज उन कमरों की खिड़कियां टूटी हुई हैं, और जिस चारपाई पर, जिस पंलग पर महात्मा गांधी सोये थे, वह पंलग टूटा हुआ है और उसके ऊपर डस्ट का कवर है । उस मकान में भांग के पौधे उगे हुये हैं ।

महोदया, पहले-पहल एक करोड़ रुपया उस मौन्यूमेंट को रिजर्व करने के लिये गवर्नमेंट आफ इंडिया ने दिया और उसकी चारदीवारी वार-फुटिग पर बनाई गई लेकिन 31 दिसम्बर, 1992 को यह सारा काम बन्द कर दिया गया और आज हमारे पहले राष्ट्रपति का आबाई मकान खस्ता हालत में पड़ा हुआ है, मैं आपकी मारफत गवर्नमेंट से यह दरख्वास्त करना चाहता हूं कि सारी दुनिया में जो नेशनल मौन्यूमेंटस हैं, उनको प्रिजर्व करके कौम के आसासे को याद रखा जाता है और उससे प्रेरणा ली जाती है लेकिन ये हिन्दुस्तान में कैसी बात है कि वह राजन बाबू, जिन्होंने आजादी की जंग में एक बहुत बड़े सिपहसालार का रोल अदा किया, जो हमार पहले राष्ट्रपति थे, उनके मकान को नेशनल मौन्यूमेंट डिक्लेयर

*Not recorded.

करने के बाद भी आज वह मकान खस्ता हालत में है । जहां राजन बाबू रहते थे, वहां पर आज बिल्डिंग मैटीरियल का गोडाऊन बना हुआ है । महात्मा गांधी जिस कमरे में रहते थे, वहां पर पशु बांधे जाते हैं । यह हमारे लिए शर्म की बात है । मैं सरकार से इस बात के लिए दरख्वास्त करूंगा कि कौम के इस आसासे को बरकरार रखने के लिए फौरी कार्रवाई की जाए और जो एक करोड़ रुपया इस बात के लिए सैंक्शन किया गया है, उसको फौरी तौर से हाथ में लेकर इस मौन्यूमेंट को प्रिज़र्व किया जाए यह मेरी आपके माध्यम से दरख्वास्त है ।

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : महोदया, मैं भी इससे अपने को ऐसोसिऐट करता हूं और चाहता हूं कि इस पर तुरन्त कार्रवाई की जाए :

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): I consider it my sad duty to associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member. We really did not know about it. Rajen Babu was not only among our tallest leaders, but was also among our noblest leaders. He was not merely the first President, but was the foremost among our leaders. The native home of Rajen Babu, which was declared as a national monument, has been so sadly neglected. It reflects on all of us, not only on the Government.

Therefore, I request the Chair to direct the Government to come forth with its reaction and a plan to see that the monument is properly kept up.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त) सदर साहिबा, जिस किस्म के हादसे का जिक्र आनरेबल मैंबर ने किया है, बदकिस्मती से हमारे राष्ट्रीय सीन में इस किस्म के हादसे रोज़ के हादसे हैं । जयपल रेड्डी साहब ने टालेस्ट, नोबलेस्ट कहा डाक्टर साहब को । वाक्या यह है कि उनके क़द के बराबर बहुत सारे नाम इस मुल्क में इतने लिए जाते हैं कि पूरे मुल्क का माहोल उन नामों की गूंज से भरा हुआ है । लेकिन इस किस्म के लोगों को हमने किस खूबी के साथ भुला रखा है कि यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि डा. राजेन्द्र प्रसाद के लिए कितना कुछ कहा जाए, कितना कुछ किया जाए । सवाल सिर्फ एक गांव के एक घर का नहीं है, सवाल यह है कि क्या इस मुल्क ने, क्या इस कौम ने डा. राजेन्द्र प्रसाद को उन की हैसियत के मुताबिक आज भी याद किया या नहीं और यह एक डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद की बात नहीं है, आज भी आधे दर्जन वह नेता हैं जो इस मुल्क में कद्दावरतरीन लोगों के मुकाबले में भी कद्दावर थे, उनको हम भुला रहे हैं । ऐसे ऐसे लोगों के नामों की गूंज इस मुल्क में छा गई है कि जिनका नाम लेना दुश्वार हो गया है । मैं न सिर्फ अपने आप को ऐसोशियेट करता हूं जो मेरे दोस्त ने कहा, लेकिन डाक्टर साहब को याद करने के लिए केवल उनके गांव के घर का सवाल नहीं है, डाक्टर साहब को इस मुल्क को डाक्टर साहब की हैसियत के मुताबिक याद करना चाहिए, हिन्दुस्तान के चप्पे चप्पे पर याद करना चाहिए और इस किस्म के लोगों की यादों से इस मुल्क में गूंज उठा देनी चाहिए । मुझे यही अर्ज़ करना है ।

†شری سکندر بخت "مدھیہ پردیش": صدر صاحبہ جس قسم کے حادثہ کا ذکر آنریبل ممبر صاحب نے کیا ہے بدقسمتی سے ہماری راشٹریہ سین میں اس قسم کے حادثے روز کے حادثے ہیں۔

†[]Translitration in Arabic Script.

جے پال ریڈی صاحب نے تالیست۔ تو بلیسٹ
کہا ڈاکٹر صاحب کو۔ واقعہ یہ ہے کہ ان کے
قد کے برابر بہت سارے نام اس ملک میں
اتنے ہوئے جاتے ہیں کہ پورے ملک کا ماحول
ان ناموں کی گونج سے بھرا ہوا ہے لیکن اس
قسم کے لوگوں کو ہم نے کس خوبی کے ساتھ
بھلا رکھا ہے کہ یہ سوچنے کے لئے تیار نہیں
ہیں کہ ڈاکٹر راجندر پرساد کے لئے کتنا کچھ
کہا جاتے۔ کتنا کچھ کیا جائے۔ سوال صرف
ایک گاؤں کے ایک گھر کا نہیں ہے۔ سوال
یہ ہے کہ کیا اس ملک نے۔ کیا اس قوم نے
ڈاکٹر راجندر پرساد کو ان کی حیثیت کے مطابق
آج بھی یاد کیا یا نہیں اور یہ ایک ڈاکٹر
راجندر پرساد کی بات نہیں ہے آج بھی
آدھے درجن وہ نیتا ہیں جو اس ملک میں
قدآور ترین لوگوں کے مقابلے میں بھی قدآور
تھے۔ ان کو ہم بھلا رہے ہیں۔ ایسے ایسے
لوگوں کے ناموں کی گونج اس ملک میں چھا
گئی ہے کہ جن کا نام لینا دشوار ہو گیا ہے
میں نہ صرف اپنے آپ کو ایسوسی ایٹ کرتا
ہوں جو میرے دوست نے کہا۔ لیکن
ڈاکٹر صاحب کو یاد کرنے کے لئے کیوں
ان کے گاؤں کے گھر کا سوال نہیں ہے۔
ڈاکٹر صاحب کو اس ملک کو ڈاکٹر صاحب
کی حیثیت کے مطابق یاد کرنا چاہیئے

†[]Transliteration in Arabic Script.

[illegible]

श्री इकबाल सिंह (पंजाब) : मैडम, मैं कटारिया जी ने जो स्पेशल मेंशन किया है उससे अपने को ऐसोशियेट करता हूं और कहना चाहता हूं कि जहां पर महात्मा गांधी जी रहे हैं, सुभाषचन्द्र बोस रहे हैं, ऐसे बड़े बड़े नेता जो राष्ट्र के नेता थे वहां पर तो पूजा का स्थान बनाना चाहिए । इस ढंग से हमें देश को, देश के लोगों को बताना चाहिए कि ऐसे हमारे नेता थे, ऐसी उनकी पोजिशन थी । इस ढंग से जब हमारे देश के नौजवानों को मालूम होगा, उनको बताया जाएगा तो उनको पता चलेगा कि हमारे नेता कितने बढ़े हुए थे । इससे देश में एक अच्छा वातावरण बनेगा ।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभापति जी, इस महत्वपूर्ण विषय पर श्री कटारिया जी ने जो इस सदन का ध्यान आकर्षित किया है, उससे मैं अपने आपको संबद्ध करता हूं । महोदया इस सदन में कई बार पिछले दो तीन सालों में यह मामला उठा है । जहां पर राजेन्द्र बाबू पैदा हुए थे, वह सही मायने में देश के दो बार राष्ट्रपति रहने के बाद उनको जाकर सदाकत आश्रम में रहना पड़ा । इतने ऊंचे पद पर रहने के बाद भी उनको अपना कोई मकान नहीं था । सदाकत आश्रम में उनको रहना पड़ा । तो मेरा आपसे यह निवेदन है कि आप कृपया अपनी पीठ से सरकार को निर्देश दीजिए कि इस बारे में वह तुरन्त कार्यवाही करे । जब तक आप निर्देश नहीं देंगी तब तक यह सरकार कुछ करने वाली नहीं है ।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) माननीय उपसभापति महोदया, माननीय सदस्य ने जो प्रस्ताव रखा है मैं उससे अपने आप को संबद्ध करती हूं । कोई भी वर्तमान में रहने वाली पीढ़ी अपने इतिहास को, अपनी विरासत को, अपने उज्जवल ऐतिहासिक तथ्यों को भूल जाती है तो भविष्य उसका कभी भी उज्जवल नहीं हो सकता । यही हमारा दुर्भाग्य है कि जिस तरह से हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति का क्षरण हो रहा है उस क्षरण के चलते हम अपने इतिहास को, उसके उज्जवल पक्ष को भूलते जा रहे हैं ।

उपसभापति महोदया, कुछ दिन पहले मैंने इसी हाउस में जिक्र किया था कि ऐसे हादसे केवल माननीय राजेन्द्र प्रसाद जी के साथ नहीं हुए, कुछ दिन पहले मैंने याद दिलाया था कि हमारे देश के प्रमुख कवि सुमित्रानन्दन पंत के गांव को मैंने देखा । उस गांव में जहां एक स्कूल बनाया गया वहां पर एक भी अध्यापक नहीं है । सम्माननीय सुमित्रानन्दन पंत की पत्नी ने कहा कि मैं चाहती हूं कि मेरे घर में कोई भी साहित्यकार पैदा न हो । अगर सुमित्रानन्दन पंत जैसे साहित्यकार की पत्नी यह कहने को विवश हो जाती है तो आप अनुमान लगा सकते हैं....

श्री विष्णु कांत शास्त्री : यह बिलकुल गलत बात है । सुमित्रानन्दन पंत अविवाहित थे । मैं उनको बचपन से जानता हूं ।...

1.00 P.M.

श्रीमती सरला माहेश्वरी : उपसभापति-महोदया, मैं यह रिकार्ड में लाना चाहती ....(**व्यवधान**)

डा. मुरली मनोहर जोशी : (उत्तर प्रदेश) : यह महान साहित्यकार का अपमान है । सुमित्रा नंदन पंत जी अविवाहित थे ...(व्यवधान) यह जो उन्होंने कहा है यह बिल्कुल गलत बात कही है ।... (**व्यवधान**)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : मेरी बात तो सुन लीजिए । ...(**व्यवधान**) मैं आपको बताना चाहती हूं कि कुछ दिन पहले दूरदर्शन के "परख" कार्यक्रम में उनके बारे में बताया गया था । उसमें उनकी पत्नी को दिखाया गया था ... (**व्यवधान**)

डा. मुरली मनोहर जोशी : यह बिलकुल सरासर गलत है । ...(**व्यवधान**)

श्रीमती सरला माहेश्वरी : यह विवाद पैदा कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)

उपसभापति : सरला जी, सवाल का जो असली मुद्दा है वह उससे हट जाता है जब आप दूसरे लोगों को जोड़ती हैं । मैं नहीं समझती यह उचित है कि राजेन्द्र बाबू के मुकाबले में हम किसी को भी लायें । यह सही है वह लेखक है, पत्रकार हैं, जो भी हैं, उनकी अपनी एक गरिमा है । उनको अपनी जगह है । उनका भी जरूरी ख्याल रखना चाहिए । आज हाउस में जो कटारिया जी ने मामला उठाया है वह हमारे राजेंद्र प्रसाद जी के बारे में है जो हमारी आजादी के बहुत बडे नेता थे । उस महान नेता के बारे में बात करिए ताकि जो विषय जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं वह डाइस्यूट न हो जाए । आपने इसमें एसोशिएट किया मैंने आपको नोट

कर लिया। मैंने सरकार को यह कहना चाहूंगी। मारग्रेट जी आप भी सुन लीजिए और सरकार को इस बात के लिए कहिए कि राजेन्द्र प्रसाद जी के बारे में जो कटारिया जी ने ध्यान दिलाया है हाउस का कि उनके मकान की हालत खराब है ...(व्यवधान)

I am very sorry that you wanted to associate yourself with it and then you are fighting on that issue. That is over. Whether he was married or not, it was his problem...(*Interruptions*)...I am not allowing you. Please don't dilute that. Please sit down. I am not allowing it.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: Madam, I want to correct it. I am sorry, instead of Sumitra Nandan Pant, it should be Phanishwar Nath Renu. I was having his name in mind but I forgot that. It is the well know writer, Phanishwar Nath Renu, instead of Sumitra Nandan Pant. I am sorry... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Quiet, please. I again say, when we are discussing a leader like Rajendra Prasadji, no other person should be referred to. It is a serious matter. The Government should take whatever measures it can and do whatever is necessary for his house. The request which is made by Mr. Kataria should be taken very seriously. Now, that matter is over.

आप बोलिए मगर सोच कर बोलिए कि क्या बोल रही हैं।

श्रीमती सरला माहेश्वरी : माननीय उपसभापति महोदय,...

श्री कैलाश नारायण सारंग : दो-दो मिनिस्टर बैठे हुए हैं मैं एक शेर सुनाना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

उपसभापति : ठीक है सुनाइए।

श्री कैलाश नारायण सारंग : कांग्रेस वालों आप भी सुन लीजिए।

इनके कंधों पर चढ़ कर आजादी आई,
उन सब की याद हमने बहुत गहरी दफनाई।

उपसभापति : कैलाश जी अगर आप यही रवैया हाउस में रखें तो मैं समझती हूं हाउस की कार्रवाई बड़ी सुरीली चलेगी। ...(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : उनकी आवाज आपको पसंद आयी ऐसा लगता है।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : भोपाल वालों के साथ फेवरटिज्म है आपका।

उपसभापति : सही बात है, मेरे साथ पढ़े हुए हैं।

श्री प्रमोद महाजन : अब समझ में आया कैलाश जी ऐसा क्यों बोलते हैं, आपका प्रभाव है।

Demand to RID Aligarh Muslim University of anti-social elements

श्रीमती सरला माहेश्वरी : (पश्चिम बंगाल) : माननीय उपसभापति महोदया मैं सदन और सरकार का ध्यान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की ओर दिलाना चाहती हूं। महोदया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय हमारे देश का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान रहा है। और पिछले दो-